खेती के लिए वरदान !

नैसर्गिक रूप से बनाया हुआ...
अधिक मात्रा में पोषणमूल्यवाला ...
तरल सेंद्रिय पोषक !

इकोह्यूमीक®

इकोह्यूमीक क्या है ?

जमीन पर गिरा हुआ कूडा कचरा– पत्ते, कीटक और अन्य मृत सूक्ष्मजीव सड़ने से ह्यूमस नामक पदार्थ तैयार होता है। इस ह्यूमस पदार्थ से ह्यूमिक आम्ल नैसर्गिक रूप से प्राप्त किया जाता है, यही इकोह्यूमीक है। इकोह्यूमीक में ह्यूमिक पदार्थ, प्राथमिक पोषक तत्व, दुय्यम पोषक तत्व मौजूद है।

इकोह्यूमीक की विशेषताए :

- जल एवं पोषक तत्वों को ग्रहण करनें की क्षमता को बढ़ाता है।
- १० टन गोबर खाद सें मिलनें वाले फायदे केवल १ लीटर इकोह्यूमीक से प्राप्त होते है।
- इकोह्यूमीक के इस्तेमाल से पौधों के मुलीयों द्वारा नायट्रोजन, सल्फर, पोटॅशिअम इत्यादी प्राथमिक पोषक तत्व और लोहा, जिंक, मैगनीज, बोरोन इत्यादी दुय्यम पोषक तत्व प्राप्त होते है।
- पी.एच को स्थायी रखने में सक्षम है।
- जल्दी अंकूरण और पौधे के तेज विकास में वृध्दि।
- फसल की अधिक पैदावार, गुणवत्ता बढ़ाने में सक्षम।

पैकिंग :

१०० मिली, २५० मिली, ५०० मिली, १ लि. और ५ लि.

इस्तेमाल का तरीका :

बीज प्रक्रिया : सभी प्रकार कें बीजों पर प्रक्रिया करने के लिए इकोह्यूमीक अत्यंत उपयुक्त है। १ किलोग्राम बीज कें लिए जितना आवश्यक हो उतना पानी लेकर उसमें २५ मिली इकोह्यूमीक मिलाना चाहिए । इस तैयार द्रावण में बीज कों भिगोना चाहिए और छाँव में सुखाना चाहिए । पौधे, उसकी मूलिया, गन्नों कें काण्ड इत्यादि को डुबोने के लिए भी इकोह्यूमीक अत्यंत उपयुक्त है। १ मिली इकोह्यूमीक १ लीटर पानी में घुलकर जितना चाहे उतना द्रावण बना सकते हैं । इस द्रावण में पौधों की मूलियाँ, काण्ड इत्यादियों को १ से २ मिनटों तक डुबोना चाहिए ।

मिट्टी प्रक्रिया : १ मिली इकोह्यूमीक १ लीटर पानी में मिलाकर उस द्रावण को मिट्टी द्वारा देने सें प्राथमिक एवं दुय्यम पोषक तत्व फसल कों शीघ्र प्राप्त होते है ।

छिड़काव : १ मिली इकोह्यूमीक १ लीटर पानी में मिलाकर उस द्रावण कों फसल कें बढ़ते समय उपयोग में लाना चाहिए। इकोह्यूमीक अन्य रासायनिक खाद एवं कीटनाशक के साथ मिलाकर छिड़कांव कर सकते हैं।

उत्पादक :
अजिंक्य केमटेक प्रा. लि.
स.न. १३७, देवाची उरुळी, ता. हवेली, जि. पुणे
Customer Care No.: 020 25677605
ISO 9001:2015 + ISO 14001:2015 + ISO 45001:2018

इकोह्यूमीक इस्तेमाल करने का तरीका

फसल	उपयोग			
सब प्रकार की सब्जियाँ	१ किलो बीजों के लिए ५ मिली इकोह्यूमीक आवश्यक मात्रा को पानी में मिलाकर बीजों को उसमें भिगोना और छाँव में सुखाना चाहिए ।	खेत में बोने के या पुन: पौधों को लगाने के २० दिन बाद इकोह्यूमीक १ मिली प्रति लीटर द्रावण का सिंचन करना चाहिए ।	फूल आते समय इकोह्यूमीक १ मिली प्रति लीटर द्रावण का सिंचन करना चाहिए ।	फल धारण के समय इकोह्यूमीक १ मिली प्रति लीटर द्रावण का सिंचन करना चाहिए ।
गेहूँ और धान	१ किलो बीजों के लिए ३ मिली इकोह्यूमीक आवश्यक मात्रा को पानी में मिलाकर बीजों को उसमें भिगोकर छाँव में सुखाना चाहिए ।	फलीयों मे दाने भरते हैं तब-इकोह्यूमीक १ मिली प्रति लीटर द्रावण बनाकर सींचना चाहिए ।	पक्वता की अवस्था में इकोह्यूमीक १ मिली प्रति लीटर द्रावण बनाकर सींचना चाहिए ।	
गन्ना	इकोह्यूमीक १ मिली प्रति लीटर द्रावण बनाकर गन्ना लगाने के समय गन्ने के हर एक काण्ड को इस द्रावण में १० मिनटों तक डुबोकर रखना ।	लगाने के ३० दिन बाद इकोह्यूमीक १ मिली प्रति लीटर द्रावण बनाकर छिड़काव करना चाहिए।	लगाने के ६० दिन बाद इकोह्यूमीक १ मिली प्रति लीटर द्रावण छिड़काव करना चाहिए ।	लगाने के बाद १२० दिन बाद इकोह्यूमीक १ मिली प्रति लीटर द्रावण छिड़काव करना चाहिए ।
अंगूर नयी पुरानी	इकोह्यूमीक २ मिली प्रति लीटर द्रावण बनाकर नये स्टिक्स उस में डुबोकर १५ मिनटों तक रखना चाहिए। छाँटने के ३० दिन बाद इकोह्यूमीक २ मिली प्रति लीटर द्रावण बनाकर हर एक लता के नीचे १ लीटर द्रावण डालना चाहिए ।	१०/१२ पत्तियों की फूट निकलने पर १ मिली प्रति लीटर द्रावण का सिंचन करना चाहिए । अक्टूबर कटिंग के ३० दिन बाद इकोह्यूमीक २ मिली प्रति लीटर द्रावण हर एक लता के नीचे १ लीटर डालना चाहिए ।	प्रति १५ दिनों के अंतर से लताओं के नीचे इकोह्यूमीक १ मिली प्रति लीटर द्रावण डालना चाहिए ।	
केला	२०० मिली इकोह्यूमीक १०० लीटर पानी में मिलाना चाहिए । काण्ड को बोते समय हर एक काण्ड को २ से ३ मिनटों तक इस द्रावण में डुबोना चाहिए।	काण्डों के रोपण के एक महीना बाद - इकोह्यूमीक १ मिली प्रति लीटर द्रावण बनाकर तने के पास उँडेलना ।	काण्डों के रोपण के महीने बाद इकोह्यूमीक १ मिली प्रति लीटर द्रावण बनाकर हर एक काण्ड को देना चाहिए।	फल धारण से पहले इकोह्यूमीक- १ मिली प्रति लीटर द्रावण बनाकर तने के पास देना चाहिए।
कपास	१ किलो बीजों के लिए ५ मिली इकोह्यूमीक जितना आवश्यक हो उतने पानी में मिलाकर उसमे बीजों को भिगोकर छाँव में सुखाना चाहिए।	बोने के एक महीना बाद - १ मिली प्रति लीटर द्रावण बनाकर हर एक पौधे के नीचे मूलियों के पास २५० मिली द्रावण उँडेलना चाहिए ।	जब पौधे में ४/५ पत्तियाँ आती हैं तब इकोह्यूमीक १ मिली प्रति लीटर द्रावण ५०० मिली हरएक पौधे के नीचे डालना चाहिए ।	दोडे की सुंडी जब निकलती हैं तब - इकोह्यूमीक १ मिली प्रति लीटर द्रावण ५०० मिली हर एक पौधे को देना चाहिए ।
आम, चीकू,पपई अनार, संतरा, मोसंबी, सेब, पीच, लीची	पेडों पर जब फूलों की बहार आती है तब १ मिली इकोह्यूमीक प्रति लीटर द्रावण बनाकर हर एक पेड़ के नीचे उँडेलना चाहिए।	फल धारन के समय इकोह्यूमीक २ मिली प्रति लीटर द्रावण बनाकर पेड़ों पर छिड़काव करना चाहिए ।		